बोलेरो-थार की भिड़ंत में चार लोगों की मौत, छह गंभीर घायल

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ओवरटेक करने के प्रयास में हादसा हुआ

जयपुर, (निसं)। जमवारामगढ़ इलाके में आगरा-दिल्ली नेशनल हाइवे पर गुरुवार को बोलेरो व थार की भिड़ंत में चार लोगों की मौत हो गई व छह लोग घायल हो गए। इस घटना के बाद हाइवे पर जाम लग गया। हाइवे पर गश्त करने वाले वाहन में सवार पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

आंधी थाना पुलिस के मुताबिक हादसे में घायलों को एंबुलेंस की मदद से आंधी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से सभी को जयपुर रेफर कर दिया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ओवरटेक करने के प्रयास में यह हादसा हुआ। रफ्तार इतनी तेज थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। बोलेरो सवार बडोली दौसा निवासी सभी लोग आंधी के पास कूचावास गांव में भात भरने जा रहे थे। इस दौरान डांगरवाडा के पास थार और बोलेरो में भिड़ंत हो गई। इसमें सवार कुछ लोग बुरी तरह फंस गए। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से लोगों को बाहर निकाला और हॉस्पिटल पहुंचाया। हादसे में जिन लोगों की मज़ेत हुई है, उनमें बोलेरो सवार चंद्रप्रकाश पुत्र बद्रीनारायण गुर्जर, रामदयाल पुत्र शिवदयाल गुर्जर, सरदार पुत्र अर्जुन गुर्जर और नरेंद्र पुत्र पूरण निवासी बरोली दौसा शामिल है। वहीं घायल धनराज, कालू निवासी बरौली दौसा और सूरजमान, संतोष कुमार, पुष्पा देवी और कोयल निवासी उत्तर प्रदेश को जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल रेफर कर किया गया है। सभी की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलने के बाद शादी वाले घर में सन्नाटा छा गया और बडोली गांव में भी चीख-पुखार मच गई।

गाड़ियों की रफ्तार इतनी तेज थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए।

- बोलेरो सवार बडोली दौसा निवासी सभी लोग आंधी के पास कूचावास गांव में भात भरने जा रहे थे
- हादसे की सूचना के बाद शादी वाले घर में सन्नाटा छा गया और बडोली में चीख-पुखार मच गई

25 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरदावर गिरफ्तार

गिरदावर दिनेश पंचाल ने नामांतरण खोलने की एवज में 50 हजार रुपए मांगे थे

एसीबी ने रिश्वत के मामले में आरोपी गिरदावर दिनेश पंचाल को गिरफ्तार किया। (गोले में)।

डूंगरपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो डूंगरपुर ने गुरूवार को नामांतरण खोलने की एवज में रिश्वत मांगने के आरोपी गिरदावर दिनेश पुत्र नाथूलाल पंचाल 25 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद ब्यूरो की टीम ने पटवारी के घर, और उसके अन्य ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया जिसमे भी कई महत्वपूर्ण दस्तावेज मिलने की संभावना जताई जा रही है।

- ब्यूरो की टीम ने पटवारी के घर और अन्य ठिकानों पर तलाशी ली

प्रकरण के अनुसार मनपुर निवासी शंकरलाल पुत्र मनजी कटारा ने डूंगरपुर इकाई को बिलडी के गिरदावर दिनेश पंचाल द्वारा उसके खाते की जमीन का नामांतरण खोलने की एवज में 50 हजार रूपये की रिश्वत की मांग की थी, जिस पर प्रार्थी ने राशि को लेकर कम करने का अनुरोध करते हुए 25 हजार में सौदा तय किया था। प्रार्थी शंकरलाल कटारा ने इस संबंध में एसीबी की डूंगरपुर की टीम को शिकायत दी जिस पर ब्यूरो को शिकायत की जिसमें बताया कि उसके सामलाती जमीन का नामांतरण खोलना है इसको लेकर गिरदावर द्वारा रिश्वत मांगी गई है। ब्यूरो की टीम द्वारा उसका भौतिक सत्यापन करवाया। इसके पश्चात गुरूवार को रिश्वत की राशि देना तय हुआ। एसीबी द्वारा कार्यवाही को लेकर पीड़ित शंकरलाल कटारा को 25 हजार रूपये लेकर भेजा। जैसे पीड़ित ने उक्त राशि दिनेश पंचाल को दी। वैसे ही टीम ने छापा मारकर उसे रंगे हाथों पकड़ लिया तथा रिश्वत की राशि जब्त कर ली। एसबी की कार्रवाई की जैसे ही शहर में भनक लगी तो अधिकांश पटवारी व गिरदावरों के फोन बंद हो गये तथा चर्चाओं का दौर शुरू हो गया।

उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ वर्षो से कतिपय पटवारी व गिरदावर अपनी पहुंच का इस्तेमाल करते हुए शहरी क्षेत्र के आस-पास के क्षेत्रों में गिरदावर व पटवारी के पदों पर लगतार नियुक्त है और इसके चलते जहां जिला मुख्यालय का गेपसागर जलाशय की काफी जमीन तथा वनों से आच्छादित कई पहाड़ियों को राजस्व विभाग के इन कार्मिको भू-माफियाओं से सांठ-गांठ कर उनके नाम पर हस्तानान्तरण कर दी है। जिससे पेयजल व अन्य जल स्त्रोतों पर पानी की आवक भी बंद हो गई है। साथ ही वनों के उजड़ जाने से भी जंगली पशु अब बाजारों की की ओर रूख कर रहे हैं।

जेईई-एडवांस्ड के एडमिट कार्ड आज जारी होंगे

कोटा, (निसं)। आईआईटी गुवाहाटी द्वारा आयोजित की जा रही देश की सबसे कठिनतम और प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-एडवांस्ड के प्रवेश पत्र 17 मई को जारी किये जायेंगे। प्रवेश पत्र आने के साथ ही स्टूडेंट्स अपने परीक्षा केंद्रों के लिए व्यवस्था करना शुरू करेंगे। प्रवेश पत्र में परीक्षा संबंधी नियम भी जारी किये जायेंगे। जेईई-एडवांस्ड की परीक्षा 26 मई को देश के 222 परीक्षा शहरों में प्रात: 9 से 12 और दोपहर 2:30 से 5:30 बजे तक होगी। इस वर्ष आईआईटी मद्रास द्वारा परीक्षा करवाई जाएगी। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि जेईई-एडवांस्ड के लिए इतिहास में इस वर्ष सबसे अधिक स्टूडेंट्स ने आवेदन किया है।

आंगनबाड़ी सहायिका ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

हिण्डौन सिटी, (निसं)। हिण्डौन के एक आंगनबाड़ी केंद्र पर नियुक्त सहायिका ने एक व्यक्ति की छेड़छाड़, प्रताड़ना, मारपीट एवं जबरन शारीरिक संबंध बनाने का प्रयास करने से आहत होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पीड़िता ने कल ही आरोपियों के खिलाफ हिण्डौन नई मंडी थाने में नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी। हिण्डौन नई मंडी थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हिण्डौन एक आंगनबाड़ी केंद्र पर पीड़िता सहायिका के पद पर तैनात थी। पीड़िता के गांव का ही एक व्यक्ति विक्रम पिछले काफी समय से पीड़िता को परेशान करता था। मोबाइल पर अश्लील वीडियो भेजता था और जबरन शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाता था। पीड़िता ने रिपोर्ट में दर्ज कराया था कि बुधवार को वह आंगनबाड़ी केंद्र पर ड्यूटी पर गई हुई थी। इस दौरान आरोपी विक्रम आया और उसे जबरन पकड़ लिया तथा शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाने लगा। जब पीड़िता ने विरोध किया तो उसके कपड़े फाड़ दिए और मारपीट की। पीड़िता चिल्लाई तो विक्रम के तीन अन्य साथी भी आ गए जिन्होंने भी उसके साथ मारपीट की। पीड़िता जैसे-तैसे अपनी जान बचाकर अपने घर पहुंची और मां को घटना की जानकारी दी। जिसके बाद आरोपियों के खिलाफ हिण्डौन नई मंडी थाने में नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मेडिकल परीक्षण कर कर मामले की जांच शुरू कर दी।

आरोप है कि रिपोर्ट दर्ज होने के बाद भी आरोपियों ने पीड़िता को धमकाया। कुछ घंटे बाद घटना और धमकी से आहत होकर पीड़िता ने अपने ही घर पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजन युवती को हिंडौन के जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर नई मंडी थाना पुलिस भी अस्पताल पहुंची तथा परिजनों से घटना की जानकारी ली। गुरुवार को मेडिकल बोर्ड से मृतक युवती का पोस्टमार्टम करवाया। घटना के बाद से ही सभी आरोपी फरार चल रहे हैं। जिनकी नई मंडी थाना पुलिस तलाश कर रही है।

जोधपुर में तापमान 43 डिग्री पहुंचा

जोधपुर, (कासं)। प्रदेश सहित मारवाड़ में भीषण गर्मी का दौर जारी है। गुरूवार को मारवाड़ भट्टी की तरह तपने लग गया। सुबह से ही सूर्यदेव ने आग उगलनी शुरू कर दी। गर्म हवा के थपेड़े चलने लगे हैं ऐसे में लू चलने के आसार प्रबल हो गए हैं। शहर की सड़कें, चौराहे सूने हो गए हैं। दोपहर बारह बजे तक सड़कों पर लोगों की रौनक फीकी पड़ गई। जोधपुर शहर में सुबह से ही भीषण गर्मी और उमस की मार झेलनी पड़ी। तापमान 43 डिग्री को पार कर गया है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश सहित मारवाड़ में लू चलने की संभावना है और पारा 45-47 डिग्री पार जा सकता है। जोधपुर संभाग में आज तेज गर्मी ने आमजन जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया। भीषण गर्मी और उमस का दौर सुबह से ही देखने को मिल गया। मारवाड़ भट्टी की तरह तपने लगा है।

कोलिहान खदान हादसा : विजिलेंस अधिकारी का शव परिजनों को सौंपा

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी के हिंदुस्तान कॉपर प्रोजेक्ट में लिफ्ट की चैन टूटने से हुए हादसे में बुधवार 14 घायलों को सकुशल बाहर निकाल कर उपचार के लिए जयपुर भेजा गया था। इस दौरान कोलिहान खदान का निरीक्षण करने आए विजिलेंस अधिकारी की मौत हो गई थी। गुरूवार को केसीसी अस्पताल में विजिलेंस अधिकारी उपेंद्र कुमार पांडे के शव का परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

खदान हादसे में विजिलेंस अधिकारी की मौत होने की सूचना केसीसी अधिकारियों की दी गई तो उनका भतीजा अरविंद पांडे अपने साथी के साथ यहां पहुंचा। इस दौरान राजकीय उप जिला अस्पताल से मेडिकल ज्यूरिस्ट को बुलाया गया तथा परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। हादसे की सूचना पर रेलवे के डीजीएम जेके राजोरा, हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड दिल्ली से भी अधिकारियों ने पहुंचकर हादसे की जानकारी जुटाई। हादसे में जान गंवाने वाले विजिलेंस अधिकारी उपेंद्र कुमार पांडे रेलवे में कार्यरत थे। वे हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड में डेपूटेशन पर आए थे। सोमवार को वह केसीसी ईकाई का निरीक्षण करने के लिए आए थे। पहले तो उन्होंने खेतड़ीनगर खदान का निरीक्षण किया। इसके बाद शाम को कोलिहान खदान माइंस का निरीक्षण करने पहुंचे थे। उनके साथ केसीसी ईकाई प्रमुख जीडी गुप्ता सहित 13 अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे। जब वह खदान का निरीक्षण कर वापस बाहर निकल रहे थे तो लिफ्ट की चैन टूटने से लिफ्ट माइनस 76 मीटर नीचे जा गिरी। इस दौरान हादसे में फंसे अधिकारियों व कर्मचारियों को निकालने के लिए केसीसी प्रोजेक्ट व स्थानीय प्रशासन की ओर से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। हादसे में विजिलेंस अधिकारी रेलवे ऑफिसर्स कालोनी सियालदह कलकत्ता निवासी उपेंद्र कुमार पांडे (53) पुत्र भरत पांडे की मौत हो गई थी।

थानाधिकारी भंवरलाल कुमावत ने बताया कि विजिलेंस अधिकारी उपेंद्र कुमार पांडे के शव का पोस्टमार्टम करवा कर एंबुलेंस के जरिए दिल्ली भेजा गया है। वहां से हवाई जहाज में कलकत्ता ले जाया जाएगा। इस संबंध में केसीसी के मैनेजर हरिचरण की ओर से हादसे की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है, जिस पर मामला दर्ज कर लिया गया है। विजिलेंस अधिकारी के एक बेटा उत्कृष (20) व बेटी श्रेया (17) की है। वहीं पत्नी रिचा पांडे गृहणी है। इस मौके पर एसडीएम सविता शर्मा, थानाधिकारी भंवरलाल कुमावत, अस्पताल प्रभारी डॉ. सुजाता सिंह, तहसीलदार नीलम राज बंसीवाल, डॉ. महेंद्र सैनी, डॉ. प्रवीण कुमार शर्मा, विपिन कुमार, हरिचरण, आर एस सज्जवान सहित केसीसी के अधिकारी मौजूद थे।

- हादसे में जान गंवाने वाले विजिलेंस अधिकारी उपेंद्र कुमार पांडे रेलवे में कार्यरत थे, वे हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड में डेपूटेशन पर आए थे
- हादसे की सूचना पर रेलवे के डीजीएम, हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड दिल्ली से भी अधिकारियों ने पहुंचकर हादसे की जानकारी जुटाई

जालौर के ग्राम ओडवाड़ा में अतिक्रमण हटाने के नाम पर ग्रामवासियों के मकानों में तोड़फोड़ की शिकायत लेकर गुरूवार को आहोर विधायक छगन सिंह राजपुरोहित ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की। विधायक छगन सिंह ने ग्राम ओडवाडा के विषय को पूरा ब्रीफ मुख्यमंत्री को बताया। इस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत संवेदनशीलता दिखाते हुए अधिकारियों से बात की और ओडवाड़ा ग्रामवासियों को बेघर कर रहे प्रशासन को गांव उजाड़ने से रुकवाया।

पानी के टांके में भाई-बहन के शव मिले

जोधपुर, (कासं)। टीकमगढ़ गांव के रहने वाले दो बच्चों के शव बुधवार रात पानी के टांके में मिलने से गांव में सनसनी फ़ैल गई। दोनों रिश्ते में भाई-बहन है। बच्चों की मां पर ही दोनों की हत्या करने का आरोप लगा है। आरोप लगाने वाला भी बच्चों का पिता है। उसने अपनी पत्नी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया है। घटना जोधपुर के बालेसर की है। पति की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पत्नी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

डीएसपी कैलाश कंवर ने बताया कि टीकमगढ़ गांव के रहने वाले बाबूराम पुत्र बुधाराम के दो बच्चों महिपाल (5) और पूजा (7) के शव बुधवार रात पानी के टांके में मिले। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को निकालकर बालेसर हॉस्पिटल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। बच्चों की मां मधु देवी से पूछताछ की जा रही है। बच्ची फर्स्ट क्लास में पढ़ती थी। बच्चों के पिता बाबूराम पुत्र बुधाराम जाट ट्रक ड्राइवर है। बुधवार शाम सात बजे वह ट्रक छोड़कर घर आया। खाना खाने के बाद पूछा कि आज पूजा और महिपाल दिखाई नहीं दे रहे हैं। पत्नी मधु ने कहा कि बच्चे सो रहे हैं। तब उसने जाकर देखा तो एक बेड पर कुछ गर्म कपड़े रखकर कंबल डाला गया था। जैसे लग रहा था कि बच्चे कंबल ओढ़कर सो रहे हैं। तो मैंने कहा कि इतनी गर्मी में बच्चों को कम्बल क्यों ओढ़ा रखा है। कम्बल उठाया तो बच्चे नहीं थे। मैंने पूछा बच्चे कहां गए तो पत्नी बोली बच्चे अभी तो यहीं थे, फिर मैंने बाहर जाकर परिवार के सदस्यों को बुलाया और उनके साथ आस-पास की ढाणियों में फोन करके पूछा। फिर किसी ने कहा एक बार टांके भी देखने चाहिए। रात को अंधेरा होने के कारण लाठी को टांके में घुमाया तो एक बच्चे से लाठी टकराई तो उसको बाहर निकाला।

सूचना पर पुलिस चौकी इंचार्ज एएसआई रुगाराम मौके पर पहुंचे और बच्चों को बाहर निकालकर बालेसर हॉस्पिटल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने उनको मृत घोषित कर दिया। पिता ने बच्चों की मौत के पीछे अपनी पत्नी का हाथ बताया और पत्नी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया है। रिपोर्ट में बताया कि वह ट्रक चलाने के कारण ज्यादातर घर से बाहर ही रहता है। पत्नी से कई सालों से अनबन चल रही है, जिसके चलते आए दिन झगड़ा होता है। पत्नी ने दोनों बच्चों की हत्या कर शव टांके में डाल दिया। पुलिस ने बच्चों की मां मधु देवी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है।

- पिता ने बच्चों की मां पर ही हत्या करने का आरोप लगाया
- पुलिस ने मां को हिरासत में लिया

ओरण व गोचर भूमि पर बने करीब चार सौ मकानों को अतिक्रमण मान हटाने की कार्रवाई

आहोर तहसील के ओडवाडा गांव में राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेश पर प्रशासन ने कार्रवाई की

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के आहोर तहसील के ओडवाडा गांव में राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेश पर गुरूवार को पुलिस व प्रशासन ने ओरण व गोचर भूमि पर बने करीब चार सौ मकानों को अतिक्रमण मानते हुए हटाने की कार्रवाई की। दो दिन पूर्व प्रशासन द्वारा अतिक्रमण किये गये स्थल को चिन्हित किया गया था। उस पर बुलडोजर चलाया गया।

वहीं अतिक्रमण हटाने गये दस्तों के सामने गांव वाले बैठ गये। उसके बाद पुलिस ने हल्का बल प्रयोग करते हुए ग्रामीणों को खदेड़ा। पुलिस ने बर्बरता दिखाते हुए वृद्व, बच्चों को भी नहीं बख्शा। अतिक्रमण तोड़ते वक्त हर कोई हाथ जोड़कर गिड़गिड़ता रहा तथा तो कोई रोता नजर आया, लेकिन पुलिस व प्रशासन ने हाईकोर्ट का हवाला देते हुए आशियाने पर बुलडोजर चलाया। जिससे कई लोगों की गर्मी में तबीयत खराब हो गई। जिन्हें हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया तो कई लोगों को शांतिभंग के मामले में गिरफ्तार किया गया।

जिला मुख्यालय से करीब पच्चीस किमी दूर आहोर तहसील स्थित ओडवाडा गांव में बरसों से करीब चार सौ परिवार के लोग गोचर व ओरण भूमि पर पक्का निर्माण कर निवास कर रहे हैं, लेकिन गांव के दो भाईयों के विवाद ने करीब चार सौ घरों को अतिक्रमण की जद में लाकर खड़ा कर दिया। दो भाईयों के बीच बंटवारा को लेकर विवाद होने पर भूमि का नाप तोल किया गया तो करीब चार सौ से अधिक घर गोचर व ओरण में नजर आये। इसके बाद हाईकोर्ट की डबल बैंच ने सभी गोचर व ओरण में आये मकानों को हटाने का आदेश दिया। जिसके बाद आदेश की पालना में बीते वर्ष प्रशासन ने 67 कच्चे अतिक्रमण हटाए गए थे। न्यायालय के आदेश पर गुरुवार को पुन: पक्के अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। यहां बड़ी संख्या में पुलिस जाब्ता ओडवाडा गांव पहुंचा। अतिक्रमण हटाने को लेकर गुरूवार को आहोर व जालोर एसडीएम की मौजूदगी में भारी पुलिस बल मय करीब बारह जेसीबी के प्रशासनिक जाब्ता मौके पर पहुंचा।

अतिक्रमण दस्तों को देखकर ग्रामीण एकत्रित हो गये तथा रास्ता जाम कर दिया। वहीं कई महिलाएं बुलडोजर के आगे लेट गई। महिलाएं पुलिस के समक्ष हाथ जोड़कर बरसों से निवास कर रहे उनके आशियाने नहीं तोड़ने की गुहार लगाते नजर आई। पुलिस के बल प्रयोग करने से कई लोग चोटिले हो गये।

छोटूलाल संत का आशियना टूटा तो हर किसी की आंखें नम नजर आई। छोटूलाल का निधन करीब चार साल पहले हो गया था। घर पर उसकी पत्नि व एक बेटी ही है तथा बेटी की कुछ समय बाद शादी होने वाली है। ऐसे में एक विधवा व एक बेटी का आशियाना उनके आंखें के सामने टूटता रहा तो मां व बेटी का रो रो कर बुरा हाल हो गया। वहीं बेटी बेहोश हो गई। जिससे एम्बुलेंस की सहायता से हॉस्पिटल पहुंचाया। गरीब परिवारों के मकान तोड़ने से लोगो में रोष देखा गया। ओडवाडा में प्रशासन व पुलिस की कार्यवाही के चलते ओडवाडा गांव पुलिस छवनी में तब्दील नजर आया।

आहोर उपखंड अधिकारी शंकरलाल मीणा ने बताया कि करीब 35 एकड जमीन में 138 पक्के निर्माण चिन्हित किए गए हैं, जिन्हें हटाने की कार्रवाई शुरू की गई है। शंकरलाल मीणा ने बताया कि इसमें कई लोगों ने न्यायालय से फिर से स्थगन आदेश भी ले रखा है, लेकिन गुरुवार को 138 चिन्हित पक्के निर्माण को हटाने की कार्रवाई की गई है। मीणा ने बताया कि गर्मी के मौसम को देखते हुए आवासरत किसी व्यक्ति को बेघर करने का प्रयास नहीं किया गया है। दीवारों को तोड़ा गया है। न्यायालय की पालना में कार्रवाई की गई है। इस संबंध में 20 मई को प्रशासन की ओर से न्यायालय में जवाब पेश करना है।

जालोर के निकट ओडवाडा में पुलिस व प्रशासन ने जेसीबी से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की।

- अतिक्रमण हटाने गये दस्तों के सामने गांव वाले बैठ गये, पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर लोगो को खदेड़ा
- लोगों की गर्मी में तबीयत खराब हो गई जिन्हें हॉस्पिटल में भर्ती करवाया, कई लोगों को शांतिभंग में गिरफ्तार किया